भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *278
दिनांक 13 दिसम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

चिकित्सा उपकरण उद्योग को सुदृढ़ करने की योजना

***278. श्रीमती कमलजीत सहरावतः**
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चिकित्सा उपकरण उद्योग को सुदृढ़ करने की योजना की मुख्य विशेषताएं और उद्देश्य क्या हैं; और
(ख) इस संबंध में कितनी वित्तीय सहायता आवंटित की गई है?

उत्तर
रसायन एवं उर्वरक मंत्री (श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) और (ख): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

<u>दिनांक 13.12.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 278 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में संदर्भित विवरण</u>

(क) और (ख): चिकित्सा उपकरण उद्योग को सशक्त करने की योजना का उद्देश्य चिकित्सा उपकरण उद्योग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहायता प्रदान करना है, जिसमें प्रमुख घटकों और सहायक उपकरणों का विनिर्माण, कौशल विकास, नैदानिक अध्ययनों के लिए सहायता, साझे बुनियादी ढांचे का विकास और उद्योग को संवर्धन प्रदान करना शामिल है। इस योजना में तीन वर्षों की अवधि अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-25 से वित्तीय वर्ष 2026-27 तक के लिए 500 करोड़ रुपये का परिव्यय है। इस योजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

(i) चिकित्सा उपकरण क्लस्टरों के लिए साझी सुविधाएं : साझी बुनियादी ढांचा सुविधाएं सृजित करने के लिए चिकित्सा उपकरण क्लस्टरों को वित्तीय सहायता प्रदान करके मौजूदा बुनियादी ढांचे को सशक्त करना और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माण को संवर्धन देने के लिए और अधिक चिकित्सा उपकरण परीक्षण प्रयोगशालाओं की उपलब्धता को सशक्त करना। इस उप-योजना का कुल परिव्यय 110 करोड़ रुपये है।

(ii) आयात निर्भरता कम करने के लिए सीमांत निवेश योजना : 10-20% की एकमुश्त पूंजी सब्सिडी के माध्यम से, प्रति परियोजना अधिकतम 10 करोड़ रुपये प्रदान करके इन-विट्रो नैदानिक उपकरणों सहित चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माण में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख घटकों, कच्चे माल और सहायक उपकरणों के घरेलू उत्पादन का संवर्धन करना। इस उप-योजना का कुल परिव्यय 180 करोड़ रुपये है।

(iii) चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में क्षमता विनिर्माण और कौशल विकास : चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान का संवर्धन करने तथा चिकित्सा उपकरण उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना। चिकित्सा उपकरणों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों और डिप्लोमा / अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान की जाती है। इस उप-योजना का कुल परिव्यय 100 करोड़ रुपये है।

(iv) चिकित्सा उपकरण नैदानिक अध्ययन सहायता योजना : बेहतर प्रभावकारिता और सुरक्षा के साथ गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के विनिर्माण का संवर्धन करना। पशु अध्ययन; नैदानिक जांच; बाजार में आने के बाद नैदानिक अनुवर्ती कार्रवाई और नए-आईवीडी के नैदानिक कार्यनिष्पादन मूल्यांकन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस उप-योजना का कुल परिव्यय 100 करोड़ रुपये है।

(v) चिकित्सा उपकरण संवर्धन योजना : अध्ययन, जागरूकता कार्यक्रम, प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं के आयोजन, डाटाबेस सृजन आदि के माध्यम से चिकित्सा उपकरण उद्योग को सहायता प्रदान करना। इस उप-योजना का कुल परिव्यय 10 करोड़ रुपये है।

******